Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education
Vol. 13, Issue No. 1, April-2017, ISSN 2230-7540

शहरी तथा ग्रामीण जनसँख्या में महिला तथा पुरुष जनसँख्या अनुपात जनपद इटावा के संदर्भ में

Dr. Padma Tripathi*

Associate Professor, Economics, K.K.P.G. College, Etawah

सारांश – *विकास खण्ड बसरेहर के शहरी क्षेत्र बसरेहर, सिरसा, चितभवन, तथा करीं बीना में औसत परिवार 5.08 सदस्य हैं जिसमें औसतन 3.09 पुरुष तथा 2.89 महिलायें हैं। महिला व पुरुष की जनसंख्या का अनुपात उचित है। महिला की जनसंख्या औसत परिवार पुरुष से कम है। प्रत्येक आयु वर्ग में महिला की संख्या पुरुष से कम है। सर्वाधिक अन्तर 18-50 आयु वर्ग में है, जिसमें महिला औसत 0.84 तथा पुरुष औसत 0.93 है। विकास खंड बसरेहर के ग्रामीण क्षेत्रों की दशा भी शहरी क्षेत्रों की तरह है क्योंकि बसरेहर क्षेत्र के शहरी क्षेत्र भी ग्रामीण क्षेत्रों से अधिक मिलते जुलते है।*

परिवार में औसतन 5.08 व्यक्तियों का खर्च उठाना कठिन है क्योंकि सभी व्यक्ति रोजगार से नहीं जुड़े हैं, केवल वयस्क (18-50 आयु वर्ग) वाले व्यक्ति ही पूर्ण रूप से रोजगार से जुड़कर जीविका अर्जन कर रहे हैं, अन्य में बच्चे हैं जो या तो बहुत छोटे हैं या पढ़ाई कर रहे हैं। इनके अतिरिक्त वृद्ध हैं जो स्वयं वृद्धावस्था के कारण रोजगार से बहुत अधिक नहीं जुड़े हैं।

----------X----------

प्रस्तावना

निर्धनता का अर्थ उस सामाजिक क्रिया से है जिसमें समाज का एक भाग अपने जीवन की बुनियादी आवश्यकताओं को भी पूरा नहीं कर सकता। जब समाज का एक बहुत बड़ा अंग न्यूनतम जीवन-स्तर से वंचित रहता है और केवल निर्वाह-स्तर पर गुजारा करता है, तो यह कहा जाता है कि समाज में व्यापक निर्धनता विद्यमान है। सभी समाजों में निर्धनता की परिभाषा करने के प्रयास किए गए परन्तु इन सबका आधार न्यूनतम या अच्छे जीवन-स्तर की कल्पना है। उदाहरणार्थ, संयुक्त राज्य अमेरिका में निर्धनता की धारणा भारत से बिल्कुल ही भिन्न है क्योंकि अमेरिका में आम नागरिक कहीं अधिक ऊँचे जीवन-स्तर पर रह रहा है। निर्धनता की सभी परिभाषाओं में यह चेष्टा की जाती है कि वे समाज के औसत जीवन-स्तर के निकट हों और इस कारण ये परिभाषायें समाज में विद्यमान असमानताओं को दर्शाती हैं और उस सीमा का बोध कराती हैं जिस तक कोई समाज इन्हें सहन करने के लिए तैयार हैं।

अध्ययन विधि

प्रस्तुत अध्ययन पूर्ण करने हेतु बसरेहर को चुना गया जिसमें विकास खण्ड से चार ग्रामीण तथा चार शहरी क्षेत्रों का सर्वेक्षण किया गया है। प्रत्येक ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों से बीस-बीस परिवारों कों चयनित किया। सम्पूर्ण अध्ययन प्रक्रिया में चयन दैव निदर्शन विधि से किया गया है। कुल मिलाकर 80 ग्रामीण तथा 80 शहरी परिवारों से समंकों को एकत्र कर अध्ययन पूर्ण करने की कोशिश की गई।

यहां का ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र अति पिछड़ा है। रोजगार के साधन नगण्य हैं। केवल कुछ प्रतिशत जनसंख्या खेती पर आधारित रहकर अपना जीवन यापन कर रही है। कृषि में भी पैदावार की स्थिति अधिक ठीक नहीं है। जनपद की मृदा कटाव युक्त, कंकरीली है। नदियों की अधिकता के कारण बीहड़ क्षेत्र अधिक है। जिसके कारण ऊबड़ खाबड़ कटाव, खाइयाँ आदि अधिक हैं। कुछ जगह समतल है वहां पर पैदावार बहुत अच्छी होती है। किसान एक वर्ष में चार-चार फसलें पैदा कर रहे हैं जिसमें नगदी फसलें भी शामिल हैं। सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं का पूर्णरूपेण क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है।

ग्रामीण व शहरी परिवार को दैवनिदर्शन विधि से चयनित कर अध्ययन का आधार माना गया। जिसमें दो प्रकार से समंकों को एकत्र किया गया-

www.ignited.in

प्राथमिक समंकों को अनुसंधानकर्ता द्वारा प्रत्यक्ष रूप से अनुसूची बनाकर साक्षात्कार द्वारा एकत्र किया गया। जिसमें चयनित परिवार से जानकारी प्राप्त की गयी। जिसमें-मुखिया का नाम, स्त्री, पुरुष तथा बच्चों संख्या, आय-व्यय के साधन, व्यक्तिगत तथा सामूहिक आय, उपभोग स्तर, साक्षरता, ऋण ग्रसतता तथा विभिन्न कुरीतियों के बारे में पूछताछ कर जानकारी ली गयी और तालिकाबद्ध कर शोध में प्रयोग किया गया।

द्वितीयक समंकों का संग्रहण में सम्बन्धित प्रकाशित शोध-ग्रंथ, पत्र-पत्रिकाओं, पुस्तकों सरकारी तथा अर्द्धसरकारी कार्यालयों द्वारा प्रकाशित तालिकाओं, राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय अखबारों, राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर संचालित संगोष्ठियों तथा सेमिनार से प्राप्त अध्ययन सामग्री का प्रयोग किया गया। साक्षात्कार के समय जो आँकड़े प्रस्तुत हुए उनका लगभग मिलान व स्पष्टीकरण सम्बन्धित सरकारी व अर्द्धसरकारी विभागों से प्राप्त जानकारी के अनुसार किया गया।

सर्वेक्षण एवं विश्लेक्षण

तालिका नं.-1: शहरी जनसंख्या में महिला पुरुष अनुपात

शहर का नाम	आयु वर्ग	0-10		10-18		18-50		50 से अधिक		कुल जनसंख्या		
	लिंग	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	कुल
बसरेहर	औसत	0.62	0.82	0.72	0.62	0.72	0.92	0.52	0.62	2.58	2.98	5.56
	प्रतिशत	23.92	28.12	28.69	20.12	28.69	32.12	19.17	20.12	45.77	54.47	
सिरसा	औसत	0.5	0.6	0.6	0.6	0.8	0.8	0.5	0.5	2.4	2.5	4.9
	प्रतिशत	20.83	26.92	25	23.08	33.33	30.77	20.83	19.23	48	52	
चितभवन	औसत	0.67	0.72	0.82	0.92	0.82	0.92	0.57	0.62	2.88	3.18	6.06
	प्रतिशत	23.03	22.34	29.29	29.75	29.29	29.75	18.87	18.64	47.12	53.12	
करीं बीना	औसत	0.72	0.72	0.82	0.92	0.92	0.97	0.62	0.72	3.08	3.33	6.41
	प्रतिशत	23.2	21.17	27.04	28.19	30.89	29.94	19.35	21.17	47.83	52.41	
औसत	औसत	0.66	0.74	0.77	0.79	0.84	0.93	0.58	0.64	2.85	3.1	5.95
	प्रतिशत	22.86	23.41	27.49	25.28	30.43	30.54	19.49	19.65	47.27	52.97	

तालिका नम्बर-1 में केवल शहरीय जनसंख्या में महिला-पुरुष औसत अनुपात प्रस्तुत किया गया है। जिसमें बसरेहर शहर में बीस परिवारों का औसत लेने पर 0-10 आयु वर्ग में 0.62 स्त्रियां, 10-18 आयु वर्ग में 0.72, 18-50 आयु वर्ग में 0.72 तथा 50 से अधिक आयु वर्ग में 0.52 औसत स्त्रियाँ हैं। बालिकाओं तथा वृद्धों की औसत जनसंख्या वयस्कों से कम है। इसी प्रकार पुरुष वर्ग में जनसंख्या औसत 0-10 आयु वर्ग में 0.82, 10-18 आयु वर्ग में 0.62, 18-50 आयु वर्ग में 0.92 तथा 50 से अधिक आयु वर्ग में औसत 0.62 निकलकर आया है। पुरुष वर्ग में बालक तथा वृद्धों का अनुपात वयस्कों से कम है। इसका कारण जनसंख्या वृद्धि न होने के प्रति अधिक जागरूक होना है। इसी क्षेत्र में यह भी परिलक्षित हो रहा है कि विभिन्न आयु वर्ग में महिलाओं का औसत पुरुषों से काफी कम है। 0-10 वर्ग में औसत बालिका 0.66 जबकि पुरुष/बालक औसत 0.74, 18-50 वर्ग में स्त्री/बालिका 0.84 जबकि पुरुष/बालक 0.93 और 50 से अधिक वर्ग में स्त्री/बालिका 0.58 व पुरुष/बालक 0.64 है।

बसरेहर शहर में कुल 20 परिवारों की जनसंख्या 92 है जिसमें औसत परिवार कुल जनसंख्या स्त्री/बालिका की 2.58 तथा पुरुष/बालक की 2.98 है। कुल जनसंख्या में स्त्रियों/बालिकाओं की भागीदारी 45.77 प्रतिशत है तथा 54.47 प्रतिशत पुरुषों/बालकों की भागीदारी है।

सिरसा शहरी क्षेत्र में क्रमशः 0-10, 10-18, 18-50 तथा 50 से ऊपर वर्ग में स्त्री/बालिका, पुरुष/बालक का अनुपात औसत 0.62/0.72, 0.72/0.72, 0.92/0.92, 0.62 तथा 0.62 है। इस शहर में स्त्रियों व पुरुषों का जनसंख्या औसत लगभग बराबर का है। इस क्षेत्र में 20 परिवारों में 100 सदस्य हैं जिसमें 48 प्रतिशत स्त्रियां तथा 52 प्रतिशत पुरुष हैं। इससे प्रतीत होता है कि जनसंख्या का दबाब सिरसा शहरी क्षेत्रों में अधिक है। औसत परिवार की कुल संख्या 4.9 में से 2.4 भागीदारी स्त्रियों की तथा 2.5 भागीदारी पुरुषों की है। कुल जनसंख्या की लगभग 48 प्रतिशत भागीदारी महिलाओं की तथा 52 प्रतिशत भागीदारी पुरुषों की है।

चितभवन शहरी क्षेत्रों में महिलाओं की औसत भागीदारी पुरुषों की तुलना में कम है। प्रत्येक वर्ग में जैसे- 0-10 में 0.67 स्त्री 0.72 पुरुष, 10-18 वर्ग में 0.82 स्त्री तथा 0.92 पुरुष, 18-50 वर्ग में 0.82 स्त्री तथा 0.92 पुरुष। इसी प्रकार 50 से ऊपर वर्ग में 0.57 स्त्री तथा 0.62 पुरुष औसत भागीदारी है। जिससे पुरुष प्रधान मानसिकता प्रतीत होती है। कुल 20 परिवारों से प्राप्त 102 जनसंख्या में 47.12 प्रतिशत स्त्रियाँ तथा 53.12 प्रतिशत पुरुषों की जनसंख्या है। प्रति परिवार औसत 6.06 जनसंख्या में 2.88 स्त्रियाँ तथा 3.18 पुरुष हैं।

करीं बीना शहरी क्षेत्रों में पुरुषों का औसत अनुपात स्त्रियों की तुलना में अधिक है। 0-10 वर्ग में 0.72 स्त्री 0.72 पुरुष, 10-18 वर्ग में 0.82 स्त्री 0.92 पुरुष, 18-50 वर्ग में 0.92 स्त्री तथा 0.97 पुरुष तथा 50 से ऊपर आयु वर्ग में 0.62 स्त्रियाँ तथा 0.72 पुरुष हैं। 20 परिवारों की कुल जनसंख्या 109 है जिसमें से पुरुषों का प्रतिशत 52.41 तथा महिलाओं का प्रतिशत 47.83 है। औसत प्रति परिवार 6.41 जनसंख्या में 3.08 स्त्रियाँ तथा 3.33 पुरुष हैं।

बसरेहर, सिरसा, चितभवन, तथा करीं बीना शहरी क्षेत्रों में पुरुषों की जनसंख्या लगभग प्रत्येक वर्ग में अधिक है जबकि महिलाओं की प्रत्येक वर्ग में या तो बराबर है या कम

www.ignited.in

है जो शहरी क्षेत्रों में कई सामाजिक बुराइयों की तरफ इशारा करती है; जिसमें कभी भ्रूण हत्या, पुरुष प्रधानता, अप्रत्यक्ष रूप से स्त्री शिक्षा के प्रति नकारात्मक सोच।

तालिका नं.-2: ग्रामीण जनसंख्या में महिला पुरुष अनुपात

गाँव का नाम	आयु वर्ग / लिंग	0-10 स्त्री	0-10 पुरुष	10-18 स्त्री	10-18 पुरुष	18-50 स्त्री	18-50 पुरुष	50 से अधिक स्त्री	50 से अधिक पुरुष	कुल जनसंख्या स्त्री	कुल जनसंख्या पुरुष	कुल
	औसत	0.82	0.82	0.77	0.82	0.72	0.82	0.62	0.72	2.93	3.18	6.11
संतोषपुर	प्रतिशत	28.69	26.04	26.65	26.04	24.61	26.04	20.53	22.34	47.57	52.43	
	औसत	0.72	0.82	0.72	0.82	0.72	0.82	0.72	0.62	2.88	3.08	5.96
नगला मनी	प्रतिशत	25	26.92	25	26.92	25	26.92	25	19.23	48	52	
	औसत	0.72	0.82	0.72	0.82	0.82	0.82	0.72	0.62	2.98	3.08	6.06
दुगाइन	प्रतिशत	24	26.92	24	26.92	28	26.92	24	19.23	49.02	50.98	
	औसत	0.6	0.7	0.5	0.6	0.7	0.8	0.5	0.5	2.3	2.6	4.9
केशोंपुर	प्रतिशत	26.09	26.92	21.74	23.08	30.43	30.77	21.74	19.23	46.94	53.06	
	औसत	0.74	0.82	0.71	0.79	0.77	0.84	0.67	0.64	2.89	3.09	5.98
औसत	प्रतिशत	25.7	26.67	24.45	25.52	26.94	27.43	22.8	19.81	47.89	52.11	

तालिका नम्बर-2 ग्रामीण जनसंख्या में महिला पुरुष अनुपात से स्पष्ट हो रहा है कि संतोषपुर में 0-10 वर्ष उम्र समूह में स्त्री-पुरुष का अनुपात बराबर का है जिसमें 0.82 स्त्री तथा 0.82 पुरुष हैं। स्त्रियों का अनुपात तथा संख्या अधिकतम वर्गों में पुरुष से कम है। 20 परिवारों का दैव निदर्शन विधि द्वारा अध्ययन से स्पष्ट हो रहा है कि कुल जनसंख्या 103 में से 49 स्त्रियाँ तथा 54 पुरुष हैं जिसका प्रतिशत क्रमशः 47.57 तथा 52.43 है। औसत परिवार में स्त्रियों की भागीदारी 2.93 तथा पुरुषों की 3.18 थी।

नगला मनी ग्राम में 20 परिवारों की कुल जनसंख्या 100 में 48 प्रतिशत स्त्रियों का तथा 52 प्रतिशत पुरुषों की भागीदारी है। औसत 2.88 स्त्रियाँ तथा 3.08 पुरुष हैं। 0-10 वर्ग में 12 महिलाओं पर 14 पुरुष, 10-18 वर्ग में 12 स्त्रियों पर 14 पुरुष तथा 18-50 वर्ग में 12 स्त्रियों पर 14 पुरुष और 50 से अधिक वर्ग में 12 स्त्रियों पर 10 पुरुष हैं। कुल मिलाकर नगला मनी में स्त्रियों का औसत तथा प्रतिशत पुरुषों की तुलना में कम है। 50 से अधिक वर्ग में पुरुषों का औसत कम होने का कारण पुरुषों की मृत्यु का होना है। इसके अतिरिक्त अन्य आयु वर्ग में स्त्रियों का औसत कम और पुरुषों का औसत अधिक है द्य

ग्राम दुगाइन में कुल 20 परिवारों की औसत 102 जनसंख्या में यह स्पष्ट हो रहा है कि 49.02 प्रतिशत स्त्रियों तथा 50.98 प्रतिशत पुरुषों का है जिसमें 50 स्त्रियाँ तथा 52 पुरुष हैं। स्त्रियों का पुरुषों से अनुपात कम होना स्त्रियों की संख्या का कम होना दर्शाता है।

केशोंपुर ग्राम में प्रत्येक वर्ग में महिलाओं की जनसंख्या पुरुषों से कम ग्राम के 20 परिवारों से प्राप्त आंकड़ों में कुल जनसंख्या 98 में से 46.94 प्रतिशत महिलाओं का तथा 53.06 प्रतिशत पुरुषों का है।

उपरोक्त आंकड़ों के आने से यह स्पष्ट हो रहा है कि गांवों में 0-10, 10-18, 18-50 वर्ग में स्त्रियों की संख्या कम है जबकि पुरुषों की अधिक, जिसका कारण गांवों में स्त्रियों के साथ भेदभाव पूर्ण व्यवहार हो सकता है। हो सकता है कन्या भ्रूण हत्या की संख्या अधिक हो। 50 से ऊपर उम्र में पुरुषों की संख्या का कम होना यह स्पष्ट कर रहा है कि पुरुषों की मृत्यु दर बढ़ती उम्र के साथ महिलाओं से अधिक है जिसका कारण पुरुषों द्वारा अधिक कठिन परिश्रम का करना हो सकता है।

शहरों तथा गांवों में स्त्रियों की संख्या पुरुषों से कम होने का अर्थ है कन्या भ्रूण हत्या का होना, जन्म से पहिले ही कन्या का भ्रूण नष्ट कर देना जिससे उनका जन्म न हो सके। इसका कारण केवल अशिक्षा व दूरदर्शिता का न होना ही है।

विकास खण्ड बसरेहर में औसतन चारों शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक आयु वर्ग में महिलाओं की संख्या पुरुषों से कम है। गाँवों में भी इसी प्रकार के परिणाम मिले हैं कि पुरुषों की जनसंख्या महिलाओं से अधिक है। केवल 50 से अधिक आयु वर्ग को छोड़कर जहाँ महिला की औसत संख्या पुरुषों की औसत जनसंख्या से अधिक है। इसका कारण है कि गांव में अधिक उम्र पर पुरुषों की मृत्यु दर महिलाओं से अधिक है।

सन्दर्भ सूची

1. वर्ड बैंक (2002): "इण्डिया-पॉवर्टी इन इण्डिया" दि चेलेंज ऑफ उ.प्र.
2. अशोक कुमार (2006): "ग्रामीण भारत में लड़कियों की शैक्षणिक स्थिति", कुरुक्षेत्र, नवम्बर, पृ.सं. 5.
3. सुभाष सेतिया (2006): "रोजगार के क्षेत्र में महिलायें", योजना, अक्टूबर, पृ.सं. 43.
4. शान्ता सिन्हा (2006): "गरीबों के लिये शिक्षा का हक", योजना, नवम्बर, पृ.सं. 15-19
5. एस नारायण (2007): "रोजगार सम्भावना पर एक नजर", योजना, अप्रैल, पृ.सं. 25.
6. संगीता कुमार (2008): "अर्थव्यवस्था में महिलाओं की स्थिति", योजना, अक्टूबर, पृ.सं. 19
7. पद्मा त्रिपाठी (2010): "भारत में निर्धनता की स्थिति का आकलन", नेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन

रिसेन्ट पॉवर्टी डिबेट“, भारतीय आर्थिक शोध संस्थान, इलाहाबाद, नवम्बर, 20, 21, पृ.सं. 8-9.

8. पहलाद कुमार (2010): “भारत में गरीबी उन्मूलन में मनरेगा की प्रासंगिकता”, नेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन रिसेन्ट पॉवर्टी डिबेट इन इण्डिया, भारतीय आर्थिक शोध संस्थान, इलाहाबाद, नवम्बर, पृ.सं. 36-37.

9. अजीत कुमार सिंह (2011): “उ.प्र. के ग्रामीण निर्धन में भूमि वितरण का प्रभाव”, योजना, नवम्बर, पृ.सं. 28-30.

10. वेद प्रकाश अरोरा (2011): “जनगणना का दशकीय सफर”, योजना, जुलाई

11. अशिमा गोयल (2012): “पंचवर्षीय योजनाओं का मूल्यांकन और भविष्य”, योजना, जनवरी, पृ.सं. 45.

Corresponding Author

Dr. Padma Tripathi*

Associate Professor, Economics, K.K.P.G. College, Etawah